6 फरवरी 1840 को पहली बार इस संधि पर हस्ताक्षर हुए थे। यह माओरी भाषा में लिखी गई थी और इसका माओरी नाम है **ते तिरिति ओ वाइतांगी**। यहाँ अनुवाद में संधि का सारांश दिया गया है।

ते तिरिति ओ वाइतांगी का सारांश

प्रस्तावना

महारानी चाहती हैं कि माओरी लोग अपनी भूमि और स्वतंत्रता बनाए रखें और वे चाहती हैं कि सभी लोग शांति से रहें। यह समझौता रानी के उन लोगों के लिए एक सरकार बनाने का है जो अब न्यूज़ीलैंड में हैं और भविष्य में जो लोग आएंगे उनके लिए।

पहला

माओरी ने इंग्लैंड की रानी को न्यूज़ीलैंड में एक राज्यपाल नियुक्त करने का अधिकार दिया।

दूसरा

महारानी इस बात से सहमत हैं कि माओरी अपनी स्वतंत्रता बनाए रखते हैं और अपनी भूमि और उन सभी चीज़ों पर नियंत्रण रखते हैं जो उनके लिए महत्वपूर्ण हैं। वे महारानी को ज़मीन ख़रीदने का अधिकार देते हैं, अगर वे इसे बेचना चाहते हैं।

तीसरा

महारानी माओरी लोगों को ब्रिटिश लोगों के समान अधिकार देती हैं।

चौथा
(बोला गया वादा)

राज्यपाल ने न्यूज़ीलैंड में माओरी रीति-रिवाज़ों और विभिन्न धर्मों की रक्षा करने का वादा किया है।